सँजोने हेतु आशीर्वाद

~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

"मन्दिर में रहो" सत्संग
शनिवार, २५ जुलाई, २०२०

जब तुम ऊपर देखते हो तो तुम्हें क्या दिखाई देता है?

जब तुम नीचे देखते हो तो तुम्हें क्या दिखाई देता है?

जब तुम चारों ओर देखते हो तो तुम्हें क्या दिखाई देता है?

इस सृष्टि की विलक्षणता को देखने के लिए
तुम्हें स्वयं को उस स्थान पर रखना होगा
जहाँ सब कुछ पारदर्शी है,
और तुम्हें उस चिदाकाश को
देवलोक की अभिरामता को प्रतिबिम्बित करने देना होगा।

यदि तुम अन्तर में
शून्य स्थान को देखो
तो उसे अपने प्रज्ञान की दीप्ति से भर दो।

यदि तुम अपने हृदय में
रिक्तता को महसूस करो तो उसे
अपनी स्मृतियों के मधुर गीत से भर दो।

अपने मन को
एक और महान दिन की

अनन्त सम्भावनाओं के लिए खुला रखो
जो तुम्हारे पदार्पण के लिए प्रतीक्षारत है।

अपने हृदय को पहले से अधिक मज़बूत बनाए रखो,
यह जानते हुए कि तुम जिस रोमांचक कार्य के लिए निकल पड़े हो
उसे करने से तुम्हें कुछ भी रोक नहीं सकता।

पृथ्वी शान्तिमय और पोषक है।

जल निर्मल और नवप्राणों का संचार करने वाला है।

अग्नि तेजोमय और शुद्धिकारक है।

वायु शान्त और पुष्टिकारक है।

आकाश विशाल और रहस्यमय है।

तुम्हारी सत्ता,
जो इस रूप में
इन्हीं मूलभूत पंचतत्त्वों से निर्मित है,
भगवान की ओर से तुम्हारे लिए अद्‌भुत भेंट है।
अतः, परवाह से इसकी देखभाल करने की याद रखो।

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।